

『袂かゞみ』に題す

(熊田雪葉氏が作を二め藏して、袂かゞ
みと云ふ)

泉鏡花作

全一章

一紫苑<RT>しをん</RT>のゆかしき、
一女郎花<RT>をみなへし</RT>のやさしき、
一薄<RT>すゝき</RT>の一寂<RT>さび
</RT>しきも、とり／＼に一風情<RT>ふぜ
い</RT>ありとて、われ一今年庭<RT>こと
しには</RT>に一秋草<RT>あきぐさ</R
T>を一植<RT>う</RT>。一君<RT>
きみ</RT>の一袂<RT>たもと</RT>かゞ
みを一選<RT>えら</RT>みたる、その一心
<RT>こゝろ</RT>いかにぞや。一彼<RT
>か</RT>の一桔梗<RT>きちかう</RT
>の一紫<RT>むらさき</RT>も、一露<R
T>つゆ</RT>の一朝<RT>あした</RT
>、一月<RT>つき</RT>の一夕<RT>ゆ

うべ</RT>、一見<RT>み</RT>む一人
<RT>ひと</RT>の情<RT>なさけ</RT>
RT>にこそ一色添<RT>いるそ</RT>はめ。
一唯<RT>たゞ</RT>すらとある一荳
<RT>かるかや</RT>の、一雨<RT>あめ
</RT>のつれ、一慰<RT>なぐさ</RT>
>むるよしもあらば、一臺所<RT>だいどころ<
/RT>にな一束<RT>つか</RT>ね一給<
RT>たま</RT>ひそ。